



Mr.Mehta

19 Jun 1983

10:05 AM

Harij

Model: Varshphal-2017

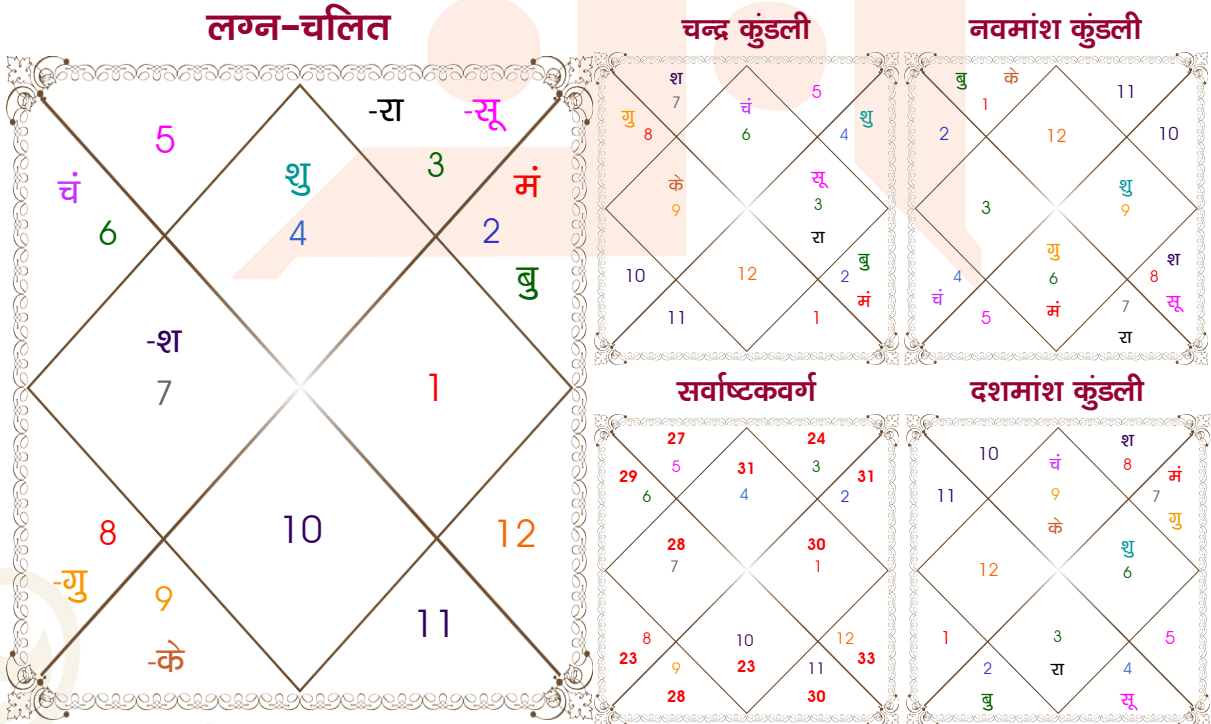
Order No: 120538601

तिथि 19/06/1983 समय 10:05:00 वार रविवार स्थान Harij चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:17
अक्षांश 23:45:00 उत्तर रेखांश 71:56:00 पूर्व मध्य रेखांश 82:30:00 पूर्व स्थानिक संस्कार -00:42:16 घंटे

पंचांग	अवकहड़ा चक्र
साम्पातिक काल : 03:10:07 घं	गण : देव
वेलान्तर : 00:01:07 घं	योनि : महिष
सूर्योदय : 05:55:36 घं	नाडी : आद्य
सूर्यास्त : 19:31:18 घं	वर्ण : वैश्य
चैत्रादि संवत : 2040	वश्य : मानव
शक संवत : 1905	वर्ग : श्वान
मास : ज्येष्ठ	रैजा : मध्य
पक्ष : शुक्ल	हंसक : भूमि
तिथि : 9	जन्म नामाक्षर : ठ-ठाकुर
नक्षत्र : हस्त	पाया(रा.-न.) : ताम्र-रजत
योग : वरियान	होरा : शनि
करण : कौलव	चौघड़िया : लाभ

विंशोत्तरी	योगिनी
चन्द्र 1वर्ष 7मा 17दि	संकटा 1वर्ष 3मा 20दि
गुरु	धान्या
04/02/2010	08/10/2023
04/02/2026	08/10/2026
गुरु 24/03/2012	धान्या 08/01/2024
शनि 06/10/2014	भ्रामरी 08/05/2024
बुध 11/01/2017	भद्रिका 08/10/2024
केतु 17/12/2017	उल्का 08/04/2025
शुक्र 17/08/2020	सिद्धा 07/11/2025
सूर्य 06/06/2021	संकटा 09/07/2026
चन्द्र 06/10/2022	मंगला 08/08/2026
मंगल 12/09/2023	पिंगला 08/10/2026
राहु 04/02/2026	

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			27:58:15	कर्क	आश्लेषा	4	बुध	शनि	---	0:00			
सूर्य			03:43:57	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	शुक्र	सम राशि	1.94	कलत्र	पितृ	सम्पत
चंद्र			21:09:28	कन्या	हस्त	4	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि	1.18	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल	अ		29:31:32	वृष	मृगशिरा	2	मंगल	शनि	सम राशि	1.25	आत्मा	भ्रातृ	सम्पत
बुध			13:14:10	वृष	रोहिणी	1	चंद्र	राहु	मित्र राशि	1.10	मातृ	ज्ञाति	जन्म
गुरु	व		09:45:20	वृश्चि	अनुराधा	2	शनि	शुक्र	मित्र राशि	1.00	पुत्र	धन	प्रत्यारि
शुक्र			19:03:49	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	केतु	शत्रु राशि	1.28	भ्रातृ	कलत्र	साधक
शनि	व		04:13:30	तुला	चित्रा	4	मंगल	शुक्र	उच्च राशि	1.36	ज्ञाति	आयु	सम्पत
राहु			01:28:11	मिथु	मृगशिरा	3	मंगल	बुध	उच्च राशि	---		ज्ञान	सम्पत
केतु			01:28:11	धनु	मूल	1	केतु	शुक्र	उच्च राशि	---		मोक्ष	वध



अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

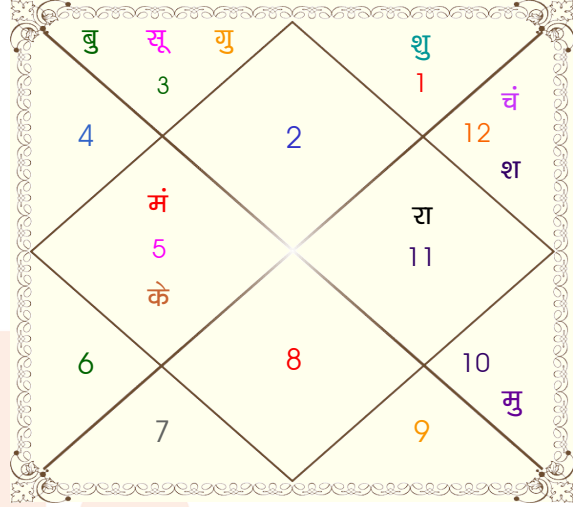
व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों, बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रथम मास

19/06/2025 04:33:23 से 20/07/2025 15:24:14 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृष	रोहिणी	12:47:57
सूर्य	मिथुन	मृगशिरा	03:43:57
चन्द्र	मीन	उ०भाद्रपद	05:44:44
मंगल	सिंह	मघा	06:41:07
बुध	मिथुन	पुनर्वसु	24:12:03
गुरु	मिथुन	आर्द्रा	07:51:15
शुक्र	मेष	भरणी	18:51:38
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	07:13:57
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:02:50
केतु	व सिंह	उ०फाल्गुनी	28:02:50
मुंथा	मकर	धनिष्ठा	27:58:15

मासाधिपति



मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

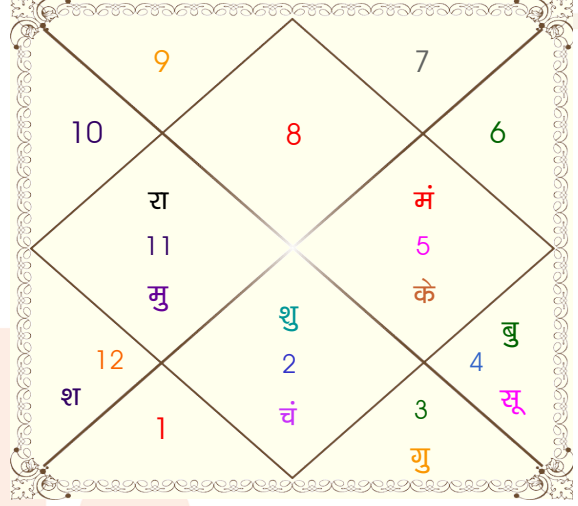
साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे। अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास

20/07/2025 15:24:14 से 20/08/2025 22:58:19 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृश्चिक	अनुराधा	07:22:07
सूर्य	कर्क	पुष्य	03:43:57
चन्द्र	वृष	कृतिका	05:30:46
मंगल	सिंह	पू०फाल्गुनी	25:01:29
बुध	व कर्क	आश्लेषा	21:09:39
गुरु	मिथुन	आर्द्रा	14:58:20
शुक्र	वृष	मृगशिरा	23:27:03
शनि	व मीन	उ०भाद्रपद	07:40:31
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:29:04
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	25:29:04
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	00:28:15

मासाधिपति



मासाधिपति : मंगल

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे। अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा। फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

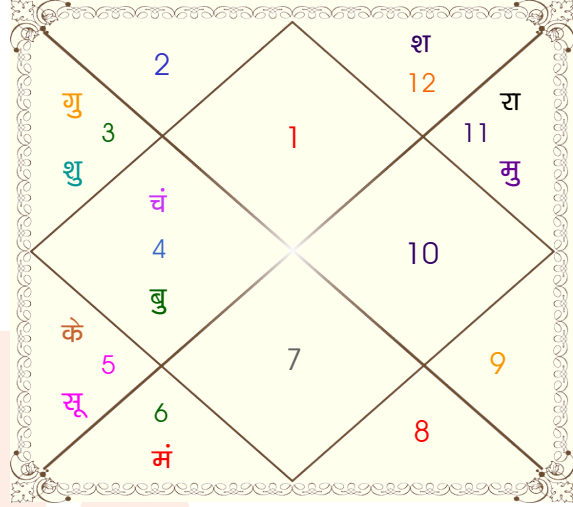
साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

20/08/2025 22:58:19 से 20/09/2025 21:31:07 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मेष	भरणी	18:39:11
सूर्य	सिंह	मघा	03:43:57
चन्द्र	कर्क	पुनर्वसु	02:29:40
मंगल	कन्या	हस्त	14:26:41
बुध	कर्क	पुष्य	15:14:51
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	21:32:34
शुक्र	मिथुन	पुनर्वसु	29:53:01
शनि	व मीन	उ०भाद्रपद	06:31:48
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:11:52
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	24:11:52
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	02:58:15

मासाधिपति



मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रुचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रुके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

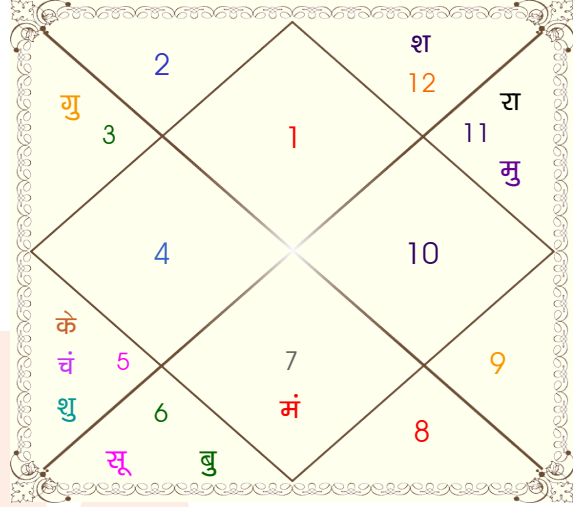
इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास

20/09/2025 21:31:07 से 21/10/2025 07:55:36 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मेष	कृतिका	28:39:14
सूर्य	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:43:57
चन्द्र	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:23:51
मंगल	तुला	चित्रा	04:40:03
बुध	कन्या	उ०फाल्गुनी	09:45:22
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	26:51:51
शुक्र	सिंह	मघा	07:10:34
शनि	व मीन	उ०भाद्रपद	04:20:12
राहु	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:09:29
केतु	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:09:29
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	05:28:15

मासाधिपति



मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

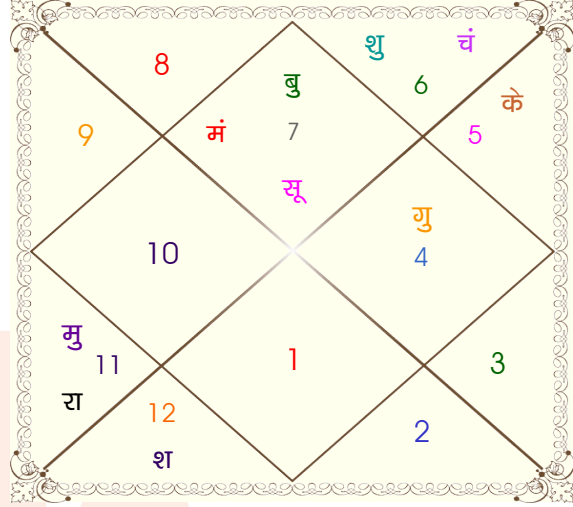


पंचम् मास

21/10/2025 07:55:36 से 20/11/2025 06:25:29 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	स्वाति	19:10:56
सूर्य	तुला	चित्रा	03:43:57
चन्द्र	कन्या	चित्रा	29:09:51
मंगल	तुला	विशाखा	25:32:28
बुध	तुला	विशाखा	26:01:21
गुरु	कर्क	पुनर्वसु	00:10:51
शुक्र	कन्या	हस्त	14:44:53
शनि	व मीन	पू०भाद्रपद	02:09:14
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:38:19
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	23:38:19
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	07:58:15

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

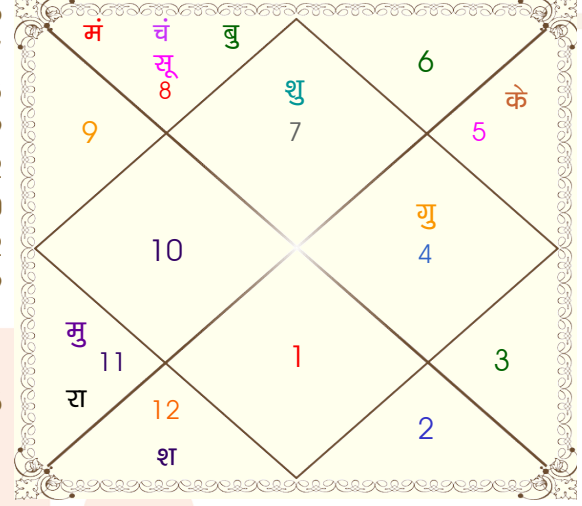


षष्ठ मास

20/11/2025 06:25:29 से 19/12/2025 20:19:40 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	विशाखा	25:18:26
सूर्य	वृश्चिक	अनुराधा	03:43:57
चन्द्र	वृश्चिक	विशाखा	01:05:03
मंगल	वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:59:59
बुध	व वृश्चिक	अनुराधा	04:34:02
गुरु	व कर्क	पुनर्वसु	00:49:00
शुक्र	तुला	विशाखा	22:12:12
शनि	व मीन	पूर्वाभाद्रपद	00:59:49
राहु	व कुम्भ	पूर्वाभाद्रपद	21:16:21
केतु	व सिंह	पूर्वाफाल्गुनी	21:16:21
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	10:28:15

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकांश शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

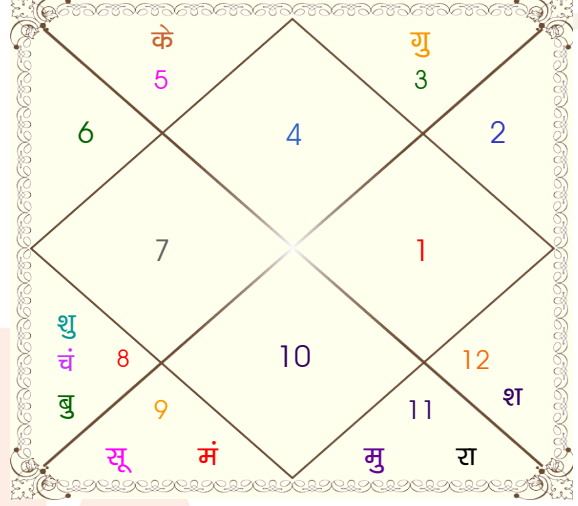
साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास

19/12/2025 20:19:40 से 18/01/2026 07:03:19 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कर्क	पुष्य	05:42:26
सूर्य	धनु	मूल	03:43:57
चन्द्र	वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:44:11
मंगल	धनु	मूल	09:01:52
बुध	वृश्चिक	अनुराधा	16:05:01
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	28:39:13
शुक्र	वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:24:03
शनि	मीन	पूर्वाभाद्रपद	01:20:52
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	17:49:20
केतु	व सिंह	पूर्वाफाल्गुनी	17:49:20
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	12:58:15

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

इस मास में आप सामान्यतया शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव अल्प मात्रा में रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इससे आप में दुर्बलता भी आएगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी करेंगे साथ ही अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा इस समय मुकद्दमे आदि में भी धन का व्यय हो सकता है। अतः संयमपूर्वक इस समय को व्यतीत करें अन्यथा कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

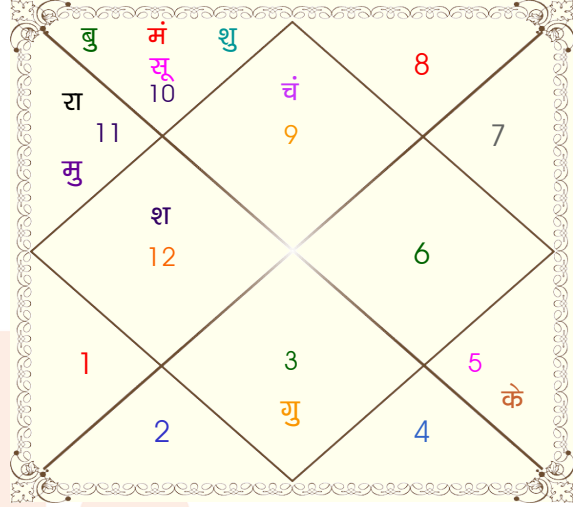
परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा उससे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही समाज में आप यश भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास

18/01/2026 07:03:19 से 16/02/2026 20:46:55 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	धनु	उत्तराषाढ़ा	26:40:53
सूर्य	मकर	उत्तराषाढ़ा	03:43:57
चन्द्र	धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:01:37
मंगल	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:38:10
बुध	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:24:51
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	24:51:13
शुक्र	मकर	उत्तराषाढ़ा	06:26:59
शनि	मीन	पूर्वाभाद्रपद	03:09:08
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	15:22:19
केतु	व सिंह	पूर्वाफाल्गुनी	15:22:19
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	15:28:15

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

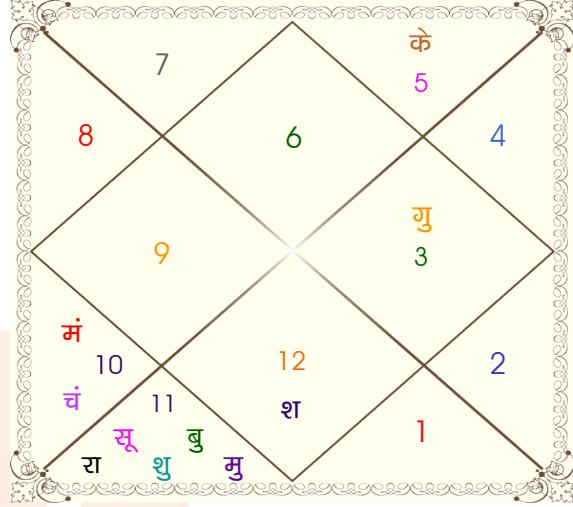


नवम् मास

16/02/2026 20:46:55 से 18/03/2026 18:58:25 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:45:20
सूर्य	कुम्भ	धनिष्ठा	03:43:57
चन्द्र	मकर	श्रवण	23:19:34
मंगल	मकर	धनिष्ठा	24:46:51
बुध	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:19:26
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	21:41:02
शुक्र	कुम्भ	शतभिषा	13:32:53
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	06:04:04
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	14:43:45
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:45
मुंथा	कुम्भ	शतभिषा	17:58:15

मासाधिपति



मासाधिपति : चन्द्र

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

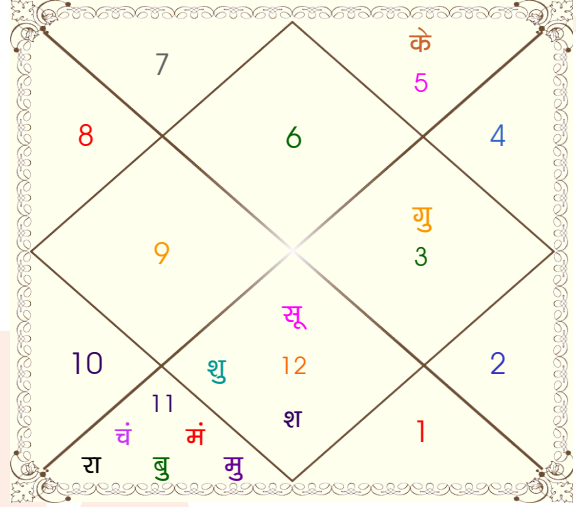
परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास

18/03/2026 18:58:25 से 18/04/2026 05:01:32 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	उ०फाल्गुनी	05:55:26
सूर्य	मीन	उ०भाद्रपद	03:43:57
चन्द्र	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:19:56
मंगल	कुम्भ	शतभिषा	18:20:58
बुध	व कुम्भ	शतभिषा	14:31:22
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	20:57:06
शुक्र	मीन	रेवती	20:48:59
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	09:38:48
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	14:45:09
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:09
मुंथा	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:28:15

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं। साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबंधियों से आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

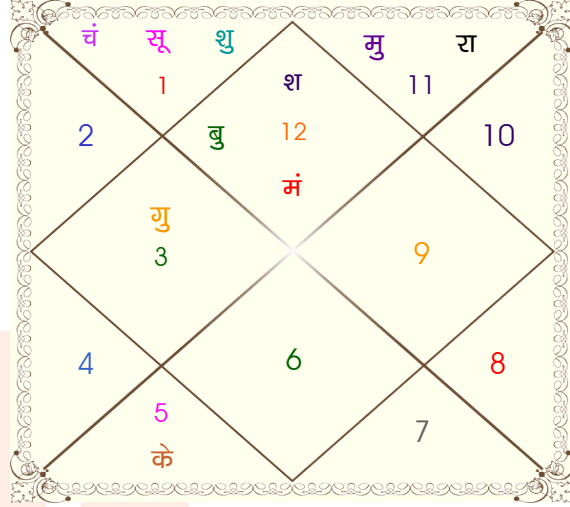
परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे।

एकादश मास

18/04/2026 05:01:32 से 19/05/2026 03:15:45 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	उ०भाद्रपद	07:01:05
सूर्य	मेष	अश्विनी	03:43:57
चन्द्र	मेष	अश्विनी	10:26:18
मंगल	मीन	उ०भाद्रपद	12:06:56
बुध	मीन	उ०भाद्रपद	09:53:28
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	23:03:23
शुक्र	मेष	कृतिका	28:14:00
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	13:24:11
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	13:38:44
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	13:38:44
मुंथा	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:58:15

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राह्मणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबंध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

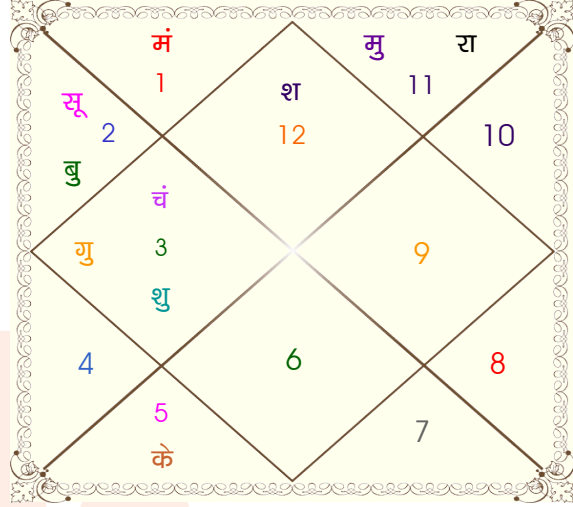


द्वादश मास

19/05/2026 03:15:45 से 19/06/2026 10:39:11 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	उ०भाद्रपद	12:26:47
सूर्य	वृष	कृतिका	03:43:57
चन्द्र	मिथुन	मृगशिरा	03:15:46
मंगल	मेष	अश्विनी	05:45:08
बुध	वृष	कृतिका	08:58:42
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	27:28:47
शुक्र	मिथुन	मृगशिरा	05:36:27
शनि	मीन	रेवती	16:49:05
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	10:44:59
केतु	व सिंह	मघा	10:44:59
मुंथा	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:28:15

मासाधिपति



मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा। संबंधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा। इस समय आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी फलतः मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।